Rajiv Gandhi Mahavidyalaya, Mudkhed
Department of Hindi

Programme Outcomes:

यह पाठ्यक्रम सफलता से पढ़ने के पश्चात छात्र निम्नलिखित बिंदुओं पर अमल कर सकते है:

PO1. साहित्य को पढ़कर छात्र सामाजिक व्यवस्था की छवि को विभिन्न रचनाओं के साहित्यिक चरित्रों द्वारा परखकर चिंतन–मनन करते हुए वैचारिक क्षमता को प्राप्त करते हैं।

PO2. समीक्षात्मक प्रविधी को जानकर समीक्षण करने की उन्नती को प्राप्त करते हैं।

PO3. रचनाओं में व्यक्त सामाजिक समस्यों के चित्रण को पढ़कर सामाजिक समस्याओं को जानते हुए उन पर सामाजिक अनुकुलता निर्मान करने के लिए अमल करने की कृतिशीलता को प्राप्त करते हैं।

PO4. भाषा के विविध रूपों और उनमें होने वाले अंतरों के स्वरूप के ज्ञान प्राप्त करते हैं।

PO5. कार्यालयीन और व्यावहारिक भाषा को अवगत करते हैं।

PO6. संवाद लेखन की शैली को जानकरके संवाद कौशल एवं संवाद लेखन को अत्मसात करते हैं।

PO7. प्रौद्योगिकी के युग में हिंदी भाषा की उपादेयता को ग्रहण करते हुए उस पर अमल करते हैं।

PO8. साहित्यिक रचनाओं को पढ़कर देश प्रेम एवं राष्ट्र उन्नती की भावना से ओत–प्रोत बनते हैं।

PO9. भारत जैसे बहुभाषीय राष्ट्र में बहु भाषाओं के मध्य हिंदी को केंद्रीय भाषा मानकर उसे संपर्क भाषा के रूप में ग्रहण करते हैं। तथा अन्य भाषाओं में साहित्य रचनाओं का अनुवाद करने की कला को आत्मसात करते हैं।

PO10. हिंदी में साहित्य रचनायें निर्माण करने की कला को छात्र आत्मसात करता है।

PO11. समाज में जाति–भेद और कुरीतियों की भावनाओं को समझकर उन्हे समाज से दूर करने में सहयोग प्रदान करते हैं।

PO12. व्यक्तित्व विकास एवं भाषाई क्षमता को विकसित करते हुए रोजगार के अवसर को प्राप्त करता है।

Programme Specific Outcomes:

PSO1. छात्र हिंदी भाषा और हिंदी साहित्य का ज्ञान ग्रहण करने के पश्चात हिंदी में मानक रूप से बोलने और लिखने के कौशल को प्राप्त करता है।

PSO2. छात्र हिंदी साहित्य के कहानी, नाटक, उपन्यास, कविता जैसी विविध विधाओं को परखकर उनके स्वरूप का बोध पाता है।

PSO3. छात्र साहित्य को मूल्यांकित कर समाधान का एहसास करते हुए साहित्यिक समीक्षा करने की कला को अवगत करता है।

Course Outcomes:

F.Y. B.A./B.Com./B.Sc. S.L. Hindi (Semester – I&II)

Course: Sahitya Bharti (साहित्य भारती) –I&II

यह पाठ्यक्रम सफलता से पढ़ने के पश्चात छात्र निम्नलिखित बिंदुओं पर अमल कर सकते है:

CO1. इस पाठ्यक्रम से छात्र व्दितीय भाषा के रूप में हिंदी भाषा और साहित्य के सामान्य परिचय को प्राप्त करता है।

CO2. छात्र हिंदी के व्यावहारिक ज्ञान को हासिल कर अपने जीवन में उसका उपयोग करने योग्य बनते हैं।

CO3. कहानी और काव्य के माध्यम से साहित्य की अवधारणा को समझकर साहित्य का रस ग्रहण की

कला को अवगत कर रसास्वाद पाता है।

CO4. हिंदी के साहित्यिक भाषा रूप के अलावा प्रयोजनमूलक भाषा रूप को सीखकर उसके व्यावहारिक उपयोग की योग्यता को प्राप्त करता है।

CO5. पाठ्यक्रम में शामिल रचनाओं में व्यक्त समस्याओं के समाधान के लिए प्रेरित होकर नैतिक मूल्यों को स्थापित करता है।

CO6. हिंदी भाषा एवं साहित्य के प्रति छात्रों में ऋचि तथा लगाव उत्पन्न होता हैं।

CO7. इस पाठ्यक्रम से छात्र वृत्तलेखन की कला को पाकर पत्रकारिता का ज्ञान पाता है।

F.Y. B.A. Hindi Opt. (Semester – I&II)

Course: Katha Sahitya (कथा साहित्य) –I&III

यह पाठ्यक्रम सफलता से पढ़ने के पश्चात छात्र निम्नलिखित बिंदुओं पर अमल कर सकते हैः

CO1. इस पाठ्यक्रम से छात्र हिंदी साहित्य की कहानी और उपन्यास विधा को अवगत करता है।

CO2. उपन्यास और कहानी विधा के तत्वों को एवं सैधांतिक विवेचन को प्राप्त करता है।

CO3. कथा साहित्य के माध्यम से छात्र कथा लेखन शैली को आत्मसात करता है।

CO4. उपन्यास और कहानी के पात्रों द्वारा चरित्र सृजन की कला को विकसित करता है।

CO5. कथा साहित्य के माध्यम से सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक आदि परिस्थियों का आकलन करता है।

CO6. इस पाठ्क्रम से छात्र आदर्श प्रेम, राष्ट्र प्रेम आदि की भावना को अपने मन में संजोये रखता है।

CO7. स्वएं के जीवन में सफल बनने के लिए सकारात्मक दृष्टि से चिंतन करता है।

F.Y. B.A. Hindi Opt. (Semester – I&II)

Course: Natak Thatha Akanki (नाटक तथा एकांकी) –II&IV

यह पाठ्यक्रम सफलता से पढ़ने के पश्चात छात्र निम्नलिखित बिंदुओं पर अमल कर सकते हैः

CO1. इस पाठ्यक्रम से छात्र नाटक और एकांकी विधा की रचना शैली से परिचित होता है।

CO2. छात्र रंगमचीय कलाविष्कार की भूमिका को प्राप्त करता है।

CO3. छात्र दृक–श्राव्य माध्यम की प्रमुख प्राचीन विधा से समाज की परिस्थितियों से वाकिफ होता है।

CO4. छात्रों में स्त्री की पीड़ा, दुःख, वेदना, अन्याय–अत्याचार आदि के प्रति विद्रोह करने की भावना निर्माण होती हैं।

CO5. इस पाठ्यक्रम की नाट्य रचना से आदिवासी जन–जीवन की समस्याओं का बोध पाता है।

CO6. नाटक तथा एकांकी के चरित्रों द्वारा छात्र संवाद लेखन, वाचन कौशल एवं अभिनय आदि की विषेशताओं से विकसित होते हैं।

CO7. इस पाठ्यक्रम से छात्रों में मनोरंजन भाव निर्माण करने की कला का अविष्कार होता हैं।

Course Outcomes:

S.Y. B.A./B.Com/B.Sc. S.L. Hindi (Semester – III)

Course: Kathettar Gadya (कथेत्तर गद्य) –III

यह पाठ्यक्रम सफलता से पढ़ने के पश्चात छात्र निम्नलिखित बिंदुओं पर अमल कर सकते हैः

CO1. आधुनिक साहित्य की गद्य विधाओं का परिचय पाते हैं।

CO2. व्दितीय भाषा के रूप में छात्र कथेत्तर गद्य की शैली को अवगत करते हैं।

CO3. निबंध, डायरी, पत्र, संस्मरण, विज्ञान,संबोधन, जीवनी, व्यंग्य आदि विधाओं का स्वरूप समझते हैं।

CO4. एकांकी के चरित्रों व्दारा संवाद लेखन की कला को हस्तगत करते हैं।

CO5. अभिनय की कला को उन्नत करते हैं।

CO6. लेख के लेखन की शैली को समझते हैं।

CO7. डायरी और जीवनी के स्वरूपगत अंतर एवं विशेषताओं को जान जाते हैं।

CO8. रसायन और पर्यावरण के संदर्भ में जानकारी हासील करते हैं।

S.Y. B.A./B.Com/B.Sc. S.L. Hindi (Semester – IV)

Course: Natak Tatha Prayojanmulk Hindi (नाटक तथा प्रयोजनमूलक हिंदी) –IV

यह पाठ्यक्रम सफलता से पढ़ने के पश्चात छात्र निम्नलिखित बिंदुओं पर अमल कर सकते हैः

CO1. इस पाठ्यक्रम से छात्र नाटक विधा की रचना शैली से परिचित होते है।

CO2. रंगमचीय कलाविष्कार की भूमिका को प्राप्त करते है।

CO3. पठित नाटक (वीमा–रत्नकुमार सांभरिया) को पढ़कर दलित विमर्श की स्थितियों का आकलन करते हैं।

CO4. इंटरनेट और हिंदी भाषा को वर्तमान युग में उसके महत्व को जान जाते हैं।

CO5. प्रौद्योगिकी के युग में इलेक्ट्रॉनिक साधनों की आवश्यकता को भलि–भॉति समझते हैं।

CO6. ई–मेल, वेब सर्चिंग, विज्ञापन, विभिन्न मोबाईल ऐप आदि के संदर्भ में हाथ सफाई के साथ कौशल प्राप्त करते हैं।

CO7. विज्ञापन, दूरदर्शन में रोजगार के अवसर प्राप्त करते हैं।

S.Y. B.A. Hindi Opt. (Semester – III)

Course: Madhyayugin Kavya (मध्ययुगीन काव्य) –V

यह पाठ्यक्रम सफलता से पढ़ने के पश्चात छात्र निम्नलिखित बिंदुओं पर अमल कर सकते हैः

CO1. इस पाठ्यक्रम से छात्र मध्ययुगीन काल की परिस्थितियों से वाकिफ हो जाते हैं।

CO2. मध्ययुगीन कवि नामदेव, कबीर, रैदास, रहीम, तुलसीदास, मीरा और बिहारी जैसे शिर्ष रचनाकारों से छात्र परिचित हो जाता है।

CO3. मध्ययुगीन समय की सामाजिक, धार्मिक व्यवस्था पर इस समय के क्रांतिकारी कवि कबीरने किस ढंग से व्यंग्य कसे और समाज सुधारी की दिशा प्रदान की इस बात को छात्र अवगत करते हैं। और ढोंग, आड़ंबर, पाखंड़ का विराध करते हैं।

CO4. छात्र भक्तिकालीन कवियों का परिचय पाकर भक्तिकालीन काव्य से भक्ति की भावना को अंगिकृत करते हैं।

CO5. मीरा के कृष्ण के प्रति अव्दितीय प्रेम विह्वल होने के भावों को समझते हैं।

CO6. छात्र रीतिकालीन साहित्य से परिचय प्राप्त करता है।

CO7. छात्र काव्य के दोहा, चौपाई, सोरठा जैसे काव्य प्रकारों से भलि–भॉति परिचित हो जाते हैं।

S.Y. B.A. Hindi Opt. (Semester – III)

Course: Aadhunik Kavya (आधुनिक काव्य) –VII

यह पाठ्यक्रम सफलता से पढ़ने के पश्चात छात्र निम्नलिखित बिंदुओं पर अमल कर सकते हैः

CO1. आधुनिक काल की काव्य विशेषताओं को जानते हैं।

CO2. छात्र आधुनिक काव्य शैली से परिचित होते हैं।

CO3. पठित कविताओं के आधार पर देश–प्रेम की भावना को वृध्दिंगत करते हैं।

CO4. पठित कविताओं के माध्यम से दलित विमर्श को अवगत करते हैं।

CO5. महानगरीय जीवन के विषैलेपन की वेदना को समझते हैं।

CO6. स्त्री की पीड़ा को जानकर उसपर होने वाले अन्याय के प्रति सजग होते हैं।

CO7. आदिवासी जन–जीवन की समस्याओं को अनुभव करते हैं।

S.Y. B.A. Hindi Opt. (Semester – III&IV)

Course: Nibhandha Tatha Kathettar Gadya (निबंध तथा कथेत्तर गद्य (गद्य सागर)) –VI&VIII

यह पाठ्यक्रम सफलता से पढ़ने के पश्चात छात्र निम्नलिखित बिंदुओं पर अमल कर सकते हैः

CO1. छात्र निबंध विधा के सैध्दांतिक विवेचन को जान जाते हैं।

CO2. निबंध एवं कथात्मक साहित्य के भेद को जानते हुए उनमें निहित विधागत अंतर को परखकर साहित्य वैविध्य से परिचित हो जाते हैं।

CO3. ललित एवं वैचारिक निबंध के अंतर से परिचित होकर निबंध के प्रकारों को जान जाते हैं।

CO4. कथेत्तर गद्य के अंतर्गत आनेवाली रेखाचित्र, संस्मरण, पत्र और आत्मकथा जैसी विधाओं से परिचित होकर पत्र एवं संस्मरण आदि को लिखने की कला पर अमल करते हुए लेखन कौशल को प्राप्त करते हैं।

CO5. निबंध पठन के ढंग को विकसित करते हैं।

CO6. पठित निबंध के आधार पर 'लज्जा और ग्लानि' जैसे मनोंभावों के वेग को समझपाने की महत्तम उपलब्धि को प्राप्त करते हैं।'

CO7. निबंधों को पढ़कर निबंध सृजन की कला ग्रहण करते हुए पठित निबंधों के आधार पर निबंधों में व्यक्त विचारों को ग्रहण करते हैं।

CO8. 'जीवन में साहित्य का स्थान' जैसे निबंध को पढ़कर साहित्य का समाज और जीवन के साथ किस तरह से महत्व है इस बात से लबालब हो जाते हैं।

S.Y. B.A. Hindi SEC (Semester – III&IV)

Course: Hindi Kaushal Vikas (हिंदी कौशल विकास) –I&II

यह पाठ्यक्रम सफलता से पढ़ने के पश्चात छात्र निम्नलिखित बिंदुओं पर अमल कर सकते हैः

CO1. कौशल विकास के पाठ्यक्रम से छात्र साहित्य के साथ–साथ भाषा जैसे विषय में प्रात्यक्षिक की शिक्षा को ग्रहण करते हैं।

CO2. पत्र लेखन के भेदों का परिचय पाकर विविध प्रकार के पत्र लेखन की शैली पर अमल करते हैं।

CO3. कम्प्यूटर का सामान्य परिचय पाकर ई–मेल आय.डी. पंजीकरण, मेल भेजने की विधी, वेब संर्चिग आदि कार्य विधी में कौशल विकसित करते हैं।

CO4. अच्छे वक्ता के गुणों को अत्मसात करते हुए संभाषण कौशल में उन्नती पाते हैं।

CO5. पटकथा की संकल्पना और स्वरूप को जानते हुए संवाद किस ढंग के होते है और कैसे लिखे जाते है इस बात का कौशल आत्मसात करते हैं।

CO6. पटकथा लेखन के व्दारा संवाद किस ढंग से बयान किये जाते हैं और उनमें गत्वरता का होना कितना आवश्यक होता है इस बात से संवाद संप्रेष की कला को अवगत करते हैं।

CO7. समाचार लेखन के क्षेत्र में समाचार लेखन की कला को विकसित करते हैं।

CO8. आकाशवाणी से प्रसारित होनेवाले समाचार एवं प्रस्तुतिकरण के कौशल को विकसित करते हैं।

T.Y. B.A. Hindi Opt. (Semester – V)

DSE HIN I Elective

Course: Hindi Sahitya ka Itihas (हिंदी साहित्य का इतिहास) –IX

यह पाठ्यक्रम सफलता से पढ़ने के पश्चात छात्र निम्नलिखित बिंदुओं पर अमल कर सकते हैः

CO1. हिंदी साहित्य के इतिहास का परिचय प्राप्त करते हैं।

CO2. साहित्य के इतिहास लिखने की परंपरा एंव शैली को जान जाते हैं।

CO3. साहित्य के माध्यम से जीवनमूल्यों एवं जीवन दर्शन को समझते हैं।

CO4. आदिकालीन साहित्य का कालखंड़ एवं तत्कालीन समय की प्रेरक परिस्थितियों से परिचित होते हैं।

CO5. भक्तिकालीन साहित्य के कालखंड़ को जानते हुए सगुण भक्ति और निर्गुण भक्ति के भेद को समझकर काव्य सृजन की पृष्ठभूमि को समझते हैं।

CO6. रीतिकाल का परिचय पाकर रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्यधारा की भूमिका को अवगत करते हैं।

CO7. आधुनिक काल के कवियों की काव्य कला को समझते हैं। तथा काव्य की प्रवृत्तियों से वाकिफ हो जाते हैं।

CO8. अलग–अलग काल के कवियों की रचनाओं को पढ़कर हर काल के कवियों की काव्य कला के बोध को ध्यान में रखकर तुलनात्मक अध्ययन की पद्धती को जान जाते हैं।

T.Y. B.A. Hindi Opt. (Semester – V)

DSG HIN I Generic

Course: Hindi Bhasha (हिंदी भाषा) –X

यह पाठ्यक्रम सफलता से पढ़ने के पश्चात छात्र निम्नलिखित बिंदुओं पर अमल कर सकते हैः

CO1. हिंदी भाषा के मानक रूप को जानते हुए भाषाई क्षमता में उन्नत्ती पाते हैं।
CO2. हिंदी भाषा के इतिहास से परिचित होते हैं।
CO3. हिंदी भाषा के प्रयुक्ति क्षेत्रों को अवगत करते हैं।
CO4. प्रोद्योगिकि के क्षेत्र में हिंदी भाषा की प्रदेयता को समझते हैं।
CO5. हिंदी की संवैधानिक स्थिति को जानकर भारतीय भाषा सौष्ठव को अवगत करते हैं।
CO6. हिंदी भाषा के विविध रूपों से परिचित होते हैं।
CO7. हिंदी की विश्वस्तरीय स्थिति को जान जाते हैं।
CO8. भारतीय बहुभाषी राष्ट्र में हिंदी भाषा के स्थान को निश्चित करने में सफल हो जाते हैं।

T.Y. B.A. Hindi Opt. (Semester – VI)

DSE HIN II Elective

Course: Sahityashastra (साहित्यशास्त्र) –XI

यह पाठ्यक्रम सफलता से पढ़ने के पश्चात छात्र निम्नलिखित बिंदुओं पर अमल कर सकते हैः

CO1. साहित्य के शास्त्रीय अध्ययन की पद्धति को जानते हैं।
CO2. छात्रों में साहित्य के प्रति शास्त्रीय दृष्टिकोन विकसित होता हैं।
CO3. काव्य के अर्थ को जानते हुए उसके तत्व, हेतु और प्रयोजन की मीमांसा करते हैं।
CO4. शब्द शक्ति का परिचय पाकर शब्दों की शक्ति के सामर्थ्य से साहित्यिक विचारधारा के अर्थ की प्राप्ति करते हैं।
CO5. आलोचना के स्वरूप को जान जाते हैं।
CO6. उत्कृष्ट आलोचक में कौन से गुणों का होना आवश्यक हैं और उत्कृष्ट आलोचक बनने के लिए किस ढंग से वैचारिक पृष्ठभूमि से जुड़ना आवश्यक हैं इस बात की पुष्टि पाते हैं।
CO7. साहित्यशास्त्र साहित्य की एक महत्तम उपलब्धि हैं इसके तहत उसके महत्व को अवगत करते हैं।
CO8. आलोचना की मानवीय सहज प्रवृत्ति का साहित्यिक विश्लेषण करने की कला को प्राप्त करते हैं।

T.Y. B.A. Hindi Opt. (Semester – VI)

DSG HIN II Generic

Course: Bhasha Shikshin (भाषा शिक्षण) –XII

यह पाठ्यक्रम सफलता से पढ़ने के पश्चात छात्र निम्नलिखित बिंदुओं पर अमल कर सकते हैः

CO1. भाषा शिक्षण के महत्व को समझते हैं।
CO2. हिंदी भाषा के व्याकरणिक काटियों को ग्रहण करते हैं।
CO3. भाषा के शुद्ध वर्तनी के मानक रूप को प्राप्त करते हैं।
CO4. समाज माध्यमों (सोशल मीड़िया) के महत्व को जानते हैं।
CO5. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र की जानकारी पाते हैं।
CO6. सृजनात्क व्यक्तित्व के रूप में भारत के महनीय व्यक्तित्व के परिचय को अवगत करते हैं।
CO7. समाज की वर्तमान समस्या के रूप में साबर क्राईम बड़े पैमाने पर व्यापक रूप धारण कर रही हैं अतः छात्र साबर क्राईम की समस्या को जानकर उससे बचने के कौशल को प्राप्त करते हैं।
CO8. लोकोक्ति एवं मुहावरों के ज्ञान को पाते हैं।

T.Y. B.A. Hindi SEC (Semester – V&VI)

Course: Hindi Kaushal Vikas (हिंदी कौशल विकास) –III&IV

यह पाठ्यक्रम सफलता से पढ़ने के पश्चात छात्र निम्नलिखित बिंदुओं पर अमल कर सकते हैः

CO1. हिंदी कौशल विकास के परिचय को प्राप्त करते हैं।
CO2. कौशल के अनेक क्षेत्रों से हिंदी को जोड़ना।

CO3. रोजगार के अवसरों को प्राप्त करते हैं।
CO4. हिंदी कौशल के माध्यम से अपने व्यक्तित्व का विकास करते हैं।
CO5. राष्ट्र निर्माण में कौशल विकास के माध्यम से सहायता करते हैं।
CO6. पटकथा लेखन के कौशल को हस्तगत करते हैं।
CO7. भाषा कौशल के माध्यम से भाषाई क्षमता को उन्नत करते हैं।
CO8. विज्ञापन कौशल को प्राप्त कर विज्ञापन निर्माण का प्रयास करते हैं।
CO9. कम्प्युटर और इंटरनेट का प्रयोग करने के कौशल को अवगत करते हैं।